ट्रैफिक आरक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- चौथी पल्टन पुलिस लाइन में हुई घटना
- कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, एफएसएल जांच जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. मल्हारगंज थाना क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस के एक आरक्षक ने पुलिस क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. शनिवार को घटना सामने आने के बाद पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है.

पुलिस के अनुसार, चौथी पल्टन स्थित पुलिस लाइन के प्रथम तल पर रहने वाले आरक्षक अंकित तोमर (29 साल) ने यह कदम उठाया. कमरे की तलाशी लेने पर भी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिससे आत्महत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है. घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए. मृतक अंकित तोमर पिता धर्मपाल सिंह तोमर उत्तर प्रदेश के बागपत जिले का निवासी था. शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है,

दिल्ली पुलिस में हो गया था सलेक्ट, जल्द करने वाला था जॉइन

जानकारी के अनुसार अंकित का चयन दिल्ली पुलिस में हो चुका था और वह जल्द जॉइनिंग करने वाला था. वह अविवाहित था और एसीपी ट्रैफिक ईस्ट कार्यालय में लिपिकीय कार्य कर रहा था. साथियों ने पुलिस को बताया कि अंकित शुक्रवार रात करीब 10 बजे ड्यूटी से लौटकर क्वार्टर आया था, इसके बाद रात में उसने यह कदम उठा लिया. छुट्टी नहीं मिलने की बात भी सामने आई है, हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है.

खाना खाकर ढाबे से निकलते ही युवक की चाकू घोंपकर हत्या

- पानी भरने को लेकर हुए मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप
- फरार होने से पहले दो आरोपी धराए

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के रविदास नगर में पानी भरने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है. पुलिस ने घटना में उपयोग चाकू और मोटरसाइकिल जब्त कर लिए हैं.

पुलिस के अनुसार, फरियादी आत्माराम राठौर निवासी संत रविदास नगर ने सूचना दी थी कि शुक्रवार 24 अप्रैल की सुबह उसके छोटे भाई चिंतामणि उर्फ चिंता (25 साल) का मोहल्ले के मोहित से पानी भरने को लेकर विवाद हुआ था. उस समय हाथापाई के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन आरोपियों ने रंजिश रख ली. शाम को जब चिंतामणि एक ढाबे पर खाना खा रहा था, तभी कुलदीप परमार, मोहित अंकेल, पंकज परमार और मयूर अवंती ने उसे घेर लिया. आरोप है कि कुलदीप ने चाकू से वार किया, जबकि अन्य आरोपियों ने उसे पकड़ रखा था. गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू की.

भागने के प्रयास में बाइक फिसलने से घायल हो गए दोनों आरोपी

पुलिस आरोपियों को तलाश ही रही थी कि मुखबिर ने सूचना दी कि मामले के दो आरोपी बायपास क्षेत्र में हैं और वे बाहर भागने की फिराक में हैं. इस पर घेराबंदी कर पुलिस ने आरोपी मोहित अंकेल (21 साल) और कुलदीप परमार (19 साल) को उस समय पकड़ लिया, जब वे बाइक से भागने की कोशिश कर रहे थे. दोनों भागने के दौरान बाइक स्लिप होने से गिर गए और पुलिस के हत्थे चढ़ गए. पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि सुबह हुए विवाद का बदला लेने के लिए उन्होंने साथियों के साथ मिलकर हत्या की. पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल जब्त कर ली है. अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है, वहीं गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है.

दिल्ली से इंदौर उड़ान में देरी और अव्यवस्था, यात्रियों का हंगामा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर आने वाली फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. यह फ्लाइट रोजाना दोपहर 12.10 बजे दिल्ली से उड़ान भरती है और 1.45 बजे इंदौर पहुंचती है, लेकिन इस बार उड़ान से पहले ही विमान में दिक्कत आ गई.

सूत्रों के अनुसार, फ्लाइट का गेट दो बार बदला गया, फिर भी तकनीकी क्लियरेंस नहीं मिल सकी. यात्रियों को विमान में बैठाकर लंबे समय तक रनवे पर खड़ा रखा गया. हालात बिगड़ने पर विमान को वापस टर्मिनल पर लाना पड़ा. यात्रियों का आरोप है कि विमान के अंदर एसी बंद था, उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और घंटों तक इंतजार करवाया गया. इस वजह से यात्रियों में नाराज़गी बढ़ गई और एयरपोर्ट पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई. कई यात्रियों ने रिफंड की मांग करते हुए नारेबाजी भी की. बताया जा रहा है कि तकनीकी समस्या के कारण फ्लाइट में काफी देरी हुई और यह शाम 5.30 बजे तक इंदौर पहुंचा है. फिलहाल इस मामले में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

एमडी ड्रग्स के साथ महिला सहित 3 तस्कर गिरफ्तार

- एक दिन पूर्व पकड़े गए आरोपी से बैकट्रैकिंग पूछताछ में सामने आया नेटवर्क

नव भारत न्यूज

इंदौर. खजराना पुलिस ने एमडी ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एक दिन पहले पकड़े गए आरोपी अमान से बैकट्रैकिंग पूछताछ में पूरा नेटवर्क सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने 15 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स जब्त की, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई जा रही है.

पुलिस के मुताबिक, एक दिन पहले कार्रवाई में एक तस्कर अमान को 11 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था. रिमांड के दौरान उससे पूछताछ में फिरदौस नामक महिला का नाम सामने आया. टीम ने पटेल कट पाकीजा रोड क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी महिला को पकड़ा. तलाशी में उसके पास से 15 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स बरामद हुई. आरोपी महिला की पहचान फिरदौस पिता अब्दुल सत्तार पटेल (33 साल) निवासी खजराना के रूप में हुई है. पूछताछ में उसने बताया कि वह नशे की लत और जल्दी पैसे कमाने के लालच में सस्ते में ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों में बेचती थी.

सप्लायर को राजस्थान से दबोचा

महिला से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी नारायण चौहान (21 साल) को भी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जो ड्रग्स सप्लाई करता था. थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि मामले में कुल तीन आरोपी पकड़े गए हैं. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एमडी ड्रग्स जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है. सभी आरोपियों से पुलिस रिमांड लेकर ड्रग्स के स्रोत और पूरे नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है. थाना प्रभारी ने साफ किया है कि शहर में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी.

एक नजर में

डॉ. अनुपम श्रीवास्तव का दिल्ली में होगा सम्मान

महू. राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग एवं केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व होम्योपैथी दिवस के पश्चात अखिल भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शहर के ख्यात होम्योपैथी चिकित्सक प्रो. डॉ. अनुपम श्रीवास्तव को उनके पीएचडी शोध पत्र, 25 वर्ष चिकित्सकीय सेवाओं एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉ. हैनिमैन अवॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया है. समारोह में चुनिंदा होम्योपैथी चिकित्सकों को विशेष सम्मान दिया जाएगा. डॉ. श्रीवास्तव ने अपने दीर्घ चिकित्सकीय अनुभव में कमर दर्द एवं मनोरोग आधारित जटिल शारीरिक रोग संबंधित पीएचडी शोध, बांझपन (इन्फर्टिलिटी), किडनी एवं प्रोस्टेट संबंधी रोगों, पथरी, पीसीओडी, ट्यूमर्स, मानसिक एवं मनोरोग संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न जटिल एवं दीर्घकालिक रोगों के उपचार में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है. विशेष रूप से, मध्य भारत में एमडी (साइकेट्री) एवं पीएचडी (होम्योपैथी) की संयुक्त योग्यता रखने वाले वे एकमात्र चिकित्सक के रूप में जाने जाते हैं. चिकित्सा सेवा के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उन्होंने 12 वर्षों तक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में अध्यापन कार्य करते हुए अनेक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया. इस उपलब्धि के लिए डॉ. श्रीवास्तव को सामाजिक विचार मंच, होम्योपैथी मेडिकल एसोसिएशन ऑफ महू, रोटरी क्लब महू एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा बधाई प्रेषित की गई.

फाइनेंस कंपनी के नाम पर लूट, युवक से छीनी बाइक

इंदौर. शहर में अब फाइनेंस कंपनी के नाम पर लूटपाट करने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं. हीरानगर थाना क्षेत्र में तीन बदमाशों ने एक युवक को रोककर खुद को रिकवरी एजेंट बताया और धमकाकर उसकी बाइक छीनकर फरार हो गए. फरियादी शकील शाह निवासी राजीव नगर, खजराना अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहा था. एमआर 10 रोड स्थित बापट चौराहा मेट्रो स्टेशन के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे घेरकर रोक लिया. बदमाशों ने पहले गाली गलौज की और फिर खुद को फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताते हुए कहा कि बाइक की किस्त बाकी है, इसलिए वाहन जब्त किया जा रहा है. विरोध करने पर आरोपियों ने शकील को धमकाया और धक्का मुक्की करते हुए जबरन बाइक की चाबी छीन ली. पीड़ित के अनुसार बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी और उसकी मोटरसाइकिल लेकर मौके से फरार हो गए. मामले में हीरानगर पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है.

मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती पेंटर ने बाथरूम में फांसी लगाई

इंदौर. बाणगंगा क्षेत्र स्थित मानसिक चिकित्सालय में भर्ती एक मरीज ने बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक पेंटर का काम करता था और लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था. मृतक की पहचान रवि (37 साल) पिता राधाकिशन निवासी ग्राम माचला, तेजाजी नगर के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि रवि पिछले दो तीन साल से मानसिक रूप से परेशान था और अवसाद में रहता था. बेहतर इलाज के लिए उसे एक दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया था. अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उसने बाथरूम में अपनी बनियान का फंदा बनाकर फांसी लगा ली. घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है. अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही सहित सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है.

कॉलोनी में घुसने पर युवक का अपहरण

इंदौर. चंदन नगर थाना क्षेत्र में कॉलोनी में घुसने पर चार बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लिया. आरोपी उसे जबरन स्कॉर्पियो में पटककर ले गए और रास्ते भर लात-घूसों से मारपीट की. पुलिस के अनुसार, फरियादी दीपक चौधरी निवासी नावदा पंथ, धार रोड बालाजी धाम गेट के पास खड़ा था. इसी दौरान राधेश्याम पटेल, सावन, आनंद पटेल और शीलु वहां पहुंचे. दीपक को देखते ही मुख्य आरोपी राधेश्याम भड़क गया और उसे कॉलोनी में आने से मना करने की बात कहते हुए धमकाने लगा. इसके बाद चारों आरोपियों ने मिलकर दीपक को जबरन काली स्कॉर्पियो में बैठा लिया और वहां से ले गए. गाड़ी में बैठाने के बाद आरोपियों ने गाली गलौज की और विरोध करने पर लात-घूसों से जमकर मारपीट की. आरोपियों ने पीड़ित को इलाके में दोबारा नजर नहीं आने की धमकी भी दी. किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर दीपक चंदन नगर थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है.

कोल्ड ड्रिंक कारोबार में निवेश के नाम पर 27 लाख की ठगी

- अधिक मुनाफे का लालच देकर तीन लोगों को ठगा
- ठगी गई राशि आरोपी ने निजी खर्च में उड़ाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच की टीम ने एफएमसीजी व्यापार में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी ने अधिक मुनाफे का झांसा देकर तीन निवेशकों से करीब 27 लाख रुपए ऐंठ लिए और रकम व्यापार में लगाने के बजाय निजी खर्चों में उड़ा दी.

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सत्यविंद चावला ने फरियादी हरसिमरन सिंह अरोरा, जयंत रिजवानी और रासिका प्रधान को शीतल पेय व एफएमसीजी व्यापार में मोटा लाभ दिलाने का लालच दिया. इसके लिए फ्रेश लिंक इंटरप्राइजेस के नाम से फर्म बनाकर साझेदारी में निवेश करवाया. जांच में सामने आया कि आरोपी कोल्ड ड्रिंक कारोबार में माहिर था और एक्सपायरी के करीब पहुंच रहे माल को सस्ते में खरीदकर महंगे में बेचता था. इसी अनुभव का हवाला देकर उसने तीनों निवेशकों का विश्वास जीता. लेकिन, निवेश में ऐंठी गई रकम का उपयोग व्यापार में करने के बजाय आरोपी ने निजी खर्च, कर्ज चुकाने और अन्य कामों में कर दिया.

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने एक गोदाम बना रखा था, जिसमें खराब और ऐसा माल भर रखा था, जिसकी एक्सपायरी तारीख नजदीक थी. इस माल को ही दिखाकर उसने निवेशकों को झांसे में लिया था. पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने यह माल केवल दिखावे के लिए गोदाम में रखा था.

बैंक खातों की पड़ताल में हुई पुष्टि

डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि बैंक खातों की पड़ताल में आरोपी द्वारा रकम को अपने व्यक्तिगत खातों में ट्रांसफर करना पाया गया है. आरोपी ने शपथ पत्र में भी स्वीकार किया कि उसने साझेदारों को गलत जानकारी देकर पैसे निजी कामों में खर्च किए. क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. मामले में आगे की पूछताछ कर अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है.

कांग्रेस नेता व भाई ने महिला से गाली गलौज कर बेटे को पीटा

- बकाया मकान किराए को लेकर हुआ विवाद

इंदौर. एमजी रोड थाना क्षेत्र में किराए के विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया. कांग्रेस नेता और उसके भाई ने किराएदार महिला से गाली गलौज की, इस पर महिला के बेटे ने विरोध किया तो दोनों ने उसकी पिटाई कर दी. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

पुलिस के मुताबिक, फरियादी पूर्णिमा कोठारी निवासी अंजनी अपार्टमेंट, सुतार गली किराए से रहती हैं. उनकी मकान मालकिन पूर्वा पठारे किराया लेने घर पहुंचीं और कई महीनों का बकाया मांगा. इस पर पूर्णिमा ने कुछ समय बाद भुगतान करने की बात कही, जिससे विवाद बढ़ गया. इसी दौरान मकान मालकिन के पति डंपी पठारे और उनके भाई कांग्रेस नेता सन्नी पठारे मौके पर पहुंचे और महिला से गाली-गलौज करने लगे. तभी पूर्णिमा का बेटा सिद्धेश कोठारी घर आया और मां के साथ अभद्रता का विरोध किया. विरोध करने पर आरोपी भड़क गए और सिद्धेश के साथ मारपीट कर दी. घटना के बाद पीड़िता एमजी रोड थाने पहुंची और नामजद शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने डंपी पठारे और सन्नी पठारे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

तेज रफ्तार बुलेट की टक्कर से घायल बाइक सवार ने दम तोड़ा

इंदौर. एमजी रोड थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बुलेट चालक की लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली. दरगाह चौराहे के पास उसने एक बाइक को टक्कर मार दी थी. इससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

32 वर्षीय मृतक गोपाल पिता बाबूलाल निवासी बजरंग नगर अपनी बाइक नम्बर एमपी 09 क्यूबी 9600 से जा रहा था. जैसे ही वह डीआरपी लाइन स्थित दरगाह चौराहे के पास पहुंचा, सामने से आ रही बुलेट नम्बर एमपी 09 वीएस 3584 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गोपाल बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा. हादसे में उसके सिर, दाहिने हाथ के पंजे और बाएं घुटने में गंभीर चोटें आईं. मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान सिर में गंभीर चोट के चलते उसकी मौत हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. परिजनों की शिकायत पर आरोपी बुलेट चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है.

महू में आर्मी बम मिलने से हड़कंप, जांच में निकला डेड शैल

महू. गुजरखेड़ा मुक्तिधाम पीठ रोड पर शनिवार सुबह आर्मी बम जैसी दिखाई देने वाली वस्तु मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. भूसे की दुकान के पास झाड़ियों में पड़ी इस संदिग्ध वस्तु को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया और बम निरोधक दस्ते को बुलाया, जिसने जांच की तो वह बम का डेड शैल (खाली खोखा) निकला.

जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी सुरेश कौशल दोपहर लगभग 12 बजे शौचालय के लिए गए थे. इसी दौरान उनकी नजर झाड़ियों में पड़ी एक आर्मी बम जैसी संदिग्ध वस्तु पर पड़ी. शक होने पर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ऐहतियात के तौर पर क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई. मामले की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधी दस्ता (बीडीडीएस) को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की. स्थानीय रहवासियों ने बताया कि इससे पहले भी क्षेत्र में इस तरह की संदिग्ध वस्तु मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है. आशंका जताई जा रही है कि पास में स्थित अटाले की दुकान के कारण संभवत: कोई बाहरी व्यक्ति इस वस्तु को यहां छोड़ गया हो.

जांच में हुआ खुलासा...

बम निरोधी दस्ते द्वारा जांच के बाद स्पष्ट हुआ कि यह कोई सक्रिय बम नहीं, बल्कि डेड शैल (खाली खोल) है. अधिकारियों के अनुसार, इसमें किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ नहीं पाया गया है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह खाली खोल यहां कैसे और किसके द्वारा लाया गया.

एक नजर में — ईएनटी विशेषज्ञ कर रहे इलाज, कलेक्टर बोले... जल्द होगी नियुक्ति

मध्य भारत अस्पताल में 4 माह से नहीं शिशु रोग विशेषज्ञ

महू। मध्य भारत अस्पताल में पिछले चार माह से शिशु रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशन) नहीं है, जिससे नवजात शिशुओं और बच्चों के इलाज में गंभीर समस्या आ रही है. हालांकि, अस्पताल में पीडियाट्रिशन का पद स्वीकृत है, लेकिन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की जानकारी में होने के बावजूद नियुक्ति नहीं हो पाई है.

जानकारी के मुताबिक, एनबीएसयू (नवजात शिशु विशेष देखभाल इकाई) से प्रतिदिन औसतन दो नवजात शिशुओं को इंदौर रेफर किया जा रहा है. ओपीडी में रोजाना लगभग 40 बच्चे इलाज के लिए आते हैं, जिनमें से करीब 15 बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद अन्य अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है. 0 से 14 वर्ष तक के बच्चों को फिलहाल नाक, कान, गले के डॉक्टर देख रहे हैं, जबकि गंभीर मरीजों को तुरंत रेफर कर दिया जा रहा है.

रेफर में भी आ रही दिक्कत: रेफर करने की प्रक्रिया में भी कई दिक्कतें सामने आ रही हैं. सिजेरियन मामलों में गायनेकोलॉजिस्ट रेफर के कागजों पर हस्ताक्षर करने में हिचकिचाते हैं, जिसके कारण सामान्य डॉक्टरों से हस्ताक्षर करवाकर रेफर किया जा रहा है. सिजेरियन डिलीवरी और प्री-टर्म डिलीवरी (समय से पहले जन्म) के बाद नवजात शिशुओं के लिए पीडियाट्रिशन की उपस्थिति अनिवार्य होती है, लेकिन यहां मध्य भारत अस्पताल में सामान्य डॉक्टरों के भरोसे ही काम चल रहा है. पीडियाट्रिशन न होने से फॉलो-अप मामलों की संख्या में भी काफी कमी आई है.

अन्य स्टॉफ की भी कमी: पीडियाट्रिशन के अलावा, एनबीएसयू वार्ड में भी स्टॉफ की कमी बनी हुई है. यहां चार प्रशिक्षित स्टॉफ स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल दो ही कार्यरत हैं. दो नर्स और एक इंचार्ज के भरोसे ही पूरा वार्ड चल रहा है. जानकारी अनुसार मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रभारी को भी इस स्थिति से कई बार अवगत कराया गया, लेकिन लंबे समय से नियुक्तियां नहीं हुई हैं. इस गंभीर स्थिति पर कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए कहा है कि शिशु रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति जल्द की जाएगी.

इनका कहना है...

अगर सिविल अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ नहीं है, तो तत्काल मामले को संज्ञान में लिया जाएगा और जल्द ही शिशु रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की जाएगी, ताकि आमजन को परेशानी ना हो.

– शिवम वर्मा, कलेक्टर, इंदौर

पत्नी ने घर चलने को कहा तो पति ने पत्थर से हमला कर दिया

- पति ने दूसरी शादी की धमकी तक दे डाली

इंदौर. गांधी नगर थाना क्षेत्र में पति को घर चलने के लिए कहना एक विवाहिता को भारी पड़ गया. पति ने दूसरी शादी करने की धमकी दी और विरोध करने पर अपने साथी के साथ मिलकर पत्नी पर हमला कर दिया. मारपीट में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई.

फरियादिया काजल सोलंकी निवासी ग्राम सुतारखेड़ (महू) अपने पति अशोक सोलंकी को लेने गांधी नगर आई थी. यहां उसने पति से घर चलने को कहा, लेकिन उसने साफ इनकार कर दिया. इसी दौरान उसके साथ मौजूद बुआ का लड़का महेश सोलंकी भी बीच में आ गया. काजल ने पुलिस को बताया कि जब उसने पति पर साथ चलने का दबाव बनाया तो अशोक ने दूसरी शादी करने की धमकी दी. जब महिला ने इसका विरोध किया तो दोनों आरोपी भड़क गए. पहले गालियां दीं, फिर मारपीट की. इसके बाद पत्थर उठाकर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं. घटना के बाद आरोपी जान से खत्म करने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए. घायल महिला सीधे गांधी नगर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने आरोपी अशोक सोलंकी और महेश सोलंकी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.